

मुनि-भक्त पुं. (तत्.) तिन्नी का चावल।

मुनि-भेषज पुं. (तत्.) 1. अगस्त का फूल 2. हड़ 3. उपवास।

मुनि-भोजन पुं. (तत्.) तिन्नी का चावल।

मुनियाँ पुं. (देश.) अगहन में तैयार होने वाला एक प्रकार का धान स्त्री. लाल मादा पक्षी।

मुनि-वर पुं. (तत्.) 1. श्रेष्ठ मुनि 2. पुंडरीक वृक्ष 3. दमनक।

मुनिवसन पुं. (तत्.) 1. मुनियों के वस्त्र 2. वल्कल वस्त्र।

मुनि-वल्लभ पुं. (तत्.) 1. विजयसार, पियासाल 2. श्रेष्ठ मुनि।

मुनि-वृक्ष पुं. (तत्.) दे. मुनि-तरु।

मुनि-व्रत पुं. (तत्.) तप करना।

मुनि-शस्त्र पुं. (तत्.) सफेद कुशा।

मुनि-सुत पुं. (तत्.) 1. दौना या पौधा 2. मुनि-कुमार।

मुनींद्र पुं. (तत्.) 1. महामुनि या मुनियों का स्वामी 2. श्रेष्ठ मुनि 3. मुनिराज 4. गौतम बुद्ध 5. शिव 6. एक राक्षस का नाम।

मुनी पुं. (तत्.) दे. मुनि।

मुनीब पुं. (अर.) दे. मुनीम।

मुनीम पुं. (अर.) 1. प्रतिनिधि 2. अभिकर्ता 3. किसी आदत, कोठी, दुकान आदि के बही-खाते लिखने वाला 4. खजांची।

मुनीमी पुं. (अर.) 1. मुनीम का कार्य, पद या भाव वि. मुनीम संबंधी।

मुनीश पुं. (तत्.) 1. मुनियों में श्रेष्ठ 2. विशद 3. महामुनि या मुनिराज 4. शिव का नाम 5. गौतम बुद्ध।

मुनीश्वर पुं. (तत्.) दे. मुनीश।

मुनेस पुं. (तद्.) दे. मुनीश।

मुनैया स्त्री. (देश.) दे. मुनियाँ।

मुन्न पुं. (तद्.) उम्र में छोटे, छोटे बच्चों या छोटे भाई के लिए प्यार से संबोधन वि. प्रिय या प्यारा पुं. (देश.) तारकशी के कारखाने के वे दोनों खूँटे जिनमें जंता लगा रहता है।

मुन्नी स्त्री. (तद्.) छोटी बहन, छोटी बेटा या छोटी बालिकाओं के लिए एक प्रेमपूर्ण संबोधन।

मुन्नू पुं. (तद्.) दे. मुन्ना।

मुन्यन्न पुं. (तत्.) तिन्नी का चावल।

मुफरद वि. (अर.) 1. एक 2. अकेला।

मुफरस पुं. (अर.) फारसी भाषा द्वारा ग्रहीत अन्य भाषा का तत्सम या तद्भव शब्द वि. फारसवालों का फारसी के रूप में लाया हुआ।

मफरह वि. (अर.) उल्लसित, प्रसन्नचित करने वाला या फरहत देने वाला।

मुफलिस वि. (अर.) गरीब, निर्धन या धनहीन।

मुफलिसी स्त्री. (अर.) मुफलिस या गरीब होने की अवस्था या भाव, गरीबी, निर्धनता।

मुफसिद वि. (अर.) 1. दंगई, फसादी 2. उपद्रवी।

मुफस्सिल वि. (अर.) 1. ब्योरे के रूप में लाया हुआ 2. पूर्णतः स्पष्ट पुं. 1. वह स्थान या प्रदेश जो किसी बड़े नगर के निकट स्थित हो 3. वह बस्तियां जो बड़े नगर या स्थान के पास स्थित हों।

मुफीद वि. (अर.) 1. लाभदायक, फायदा पहुँचाने वाला 2. उपयोगी।

मुफ्त वि. (अर.) 1. बिना कोई मूल्य चुकाए अथवा बिना मूल्य के प्राप्त होने वाली वस्तु 2. बिना प्रयास किए जो वस्तु प्राप्त हो जाए मुहा. मुफ्त में- बिना किसी कारण के यँ ही, बेकार, व्यर्थ या बिना किसी प्रयोजन के।

मुफ्तखोर वि. (अर.+फा.) 1. मुफ्त में दूसरों का माल या वस्तु हड़पने वाला 2. ऐसा व्यक्ति जो स्वयं कुछ न कमाता हो पर दूसरों का धन लेना और खाना जानता हो।